

# टेस्ला-स्पेसएक्स का विलय करेंगे मस्क

336 लाख करोड़ की बनेगी कंपनी

नवभारत न्यूज नेटवर्क नई दिल्ली, 21 अक्टूबर . दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क अपनी दो बड़ी कंपनियों टेस्ला और स्पेसएक्स का विलय करने की तैयारी में हैं. दोनों कंपनियों के एक होने पर करीब 3.5 ट्रिलियन डॉलर यानी लगभग 336 लाख करोड़ रुपये की कंपनी बन सकती है. हालांकि, विलय पर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है. इसके लिए शेरयधारकों की मंजूरी जरूरी होगी.

टेस्ला इलेक्ट्रिक कार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तकनीक के क्षेत्र में काम करती

## शेयरधारकों की मंजूरी मिलना जरूरी



है, जबकि स्पेसएक्स रॉकेट और अंतरिक्ष सेवाओं के लिए जानी जाती है. स्पेसएक्स की सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिनक भी दुनिया के कई हिस्सों में इंटरनेट उपलब्ध करा

रही है. दोनों कंपनियों के विलय से इलेक्ट्रिक वाहन, एआई, रोबोटिक्स, उपग्रह संचार और कंप्यूटिंग तकनीक को एक मंच पर लाने की संभावनाएं बढ़ सकती हैं.

मौजूदा अनुमान के मुताबिक, टेस्ला का बाजार मूल्य करीब 1.5 ट्रिलियन डॉलर और स्पेसएक्स का लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर है. इस तरह दोनों का संयुक्त मूल्य 3.5 ट्रिलियन डॉलर के आसपास पहुंच सकता है. विलय के विकल्पों और उससे होने वाले फायदे-नुकसान की समीक्षा के लिए दोनों कंपनियों के स्वतंत्र निदेशकों की विशेष समिति काम कर रही है.

**विलय के पीछे पांच बड़ी वजहें** : एआई और रोबोटिक्स: टेस्ला की स्वचालित ड्राइविंग तकनीक, एआई सॉफ्टवेयर और ऑट्टिमस रोबोट को स्पेसएक्स की तकनीकों क्षमताओं के साथ जोड़ने से नए उत्पाद विकसित करने में मदद मिल सकती है.

# वीआईटी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन शुरू

- 28 अप्रैल से 2 मई तक होगी
- परीक्षा देश के 133 शहरों और
- विदेश के 9 केंद्रों पर होगी आयोजित

नवभारत कनेक्ट भोपाल, 21 अक्टूबर. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी) ने इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा वीआईटीईईई 2027 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है.

इंजीनियरिंग में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थी आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. इस परीक्षा के माध्यम से वेल्लोर, चेन्नई, अमरावती (आंध्र प्रदेश) और भोपाल स्थित वीआईटी परिसरों के इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश मिलेगा.

संस्थान की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, वीआईटीईईई 2027 की परीक्षा एक ही चरण में 28 अप्रैल से 2 मई 2027 तक आयोजित की जाएगी. परीक्षा देशभर के 133 शहरों के साथ विदेश के 9 केंद्रों पर भी होगी. इससे भारत और विदेश में रहने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश परीक्षा में शामिल होने का अवसर मिलेगा. वीआईटी की इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा के माध्यम से विद्यार्थी संस्थान के विभिन्न परिसरों में संचालित इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकेंगे. इच्छुक अभ्यर्थियों को आवेदन प्रक्रिया, पात्रता और अन्य जरूरी जानकारीयों के लिए आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध विवरण देखने की सलाह दी जाती है.



# सेंसेक्स 830 अंक चढ़ने के बाद 623 अंक लुढ़का

143 अंक की गिरावट के साथ हुआ बंद

नवभारत न्यूज नेटवर्क मुंबई, 21 अक्टूबर घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को बड़े उतार-चढ़ाव के बाद अंत में सेंसेक्स 143 अंक नीचे बंद हुआ.

सेंसेक्स सुबह 485 अंक चढ़कर 74,337.3 अंक पर खुला और कुछ ही देर में 830 अंक ऊपर 74,682 अंक तक पहुंच गया. हालांकि दोपहर होते-होते बाजार में बिकवाली हावी हो गई और सेंसेक्स 623 अंक उतरकर 73,22.45 अंक पर आ गया. अंत में 143.21 अंक (0.19 प्रतिशत) ऊपर 73,70.6 अंक पर बंद हुआ.

निफ्टी-50 का ग्राफ भी सेंसेक्स जैसा ही रहा. यह 77.60 अंक यानी 0.34 प्रतिशत टूटकर अंत में 22,811.35 अंक पर रहा.बाजार में चौरफा गिरावट रही. इस बीच सफ्ट आईटी सेक्टर में तेजी देखी गई. वृहत बाजार में सभी सूचकांक लाल निशान में रहे. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.60 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 2.37 फीसदी लुढ़क गया.

सेक्टर आधारित सूचकांकों में निफ्टी आईटी 2.88 प्रतिशत मजबूत हुआ. टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, धातु, ऑटो, वित्त, मीडिया और रियल्टी समूहों के सूचकांकों में एक से दो प्रतिशत की गिरावट

रही. एनएसई में जिन 3,68 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,88 के शेयर लाल निशान में और 608 के हरे निशान में रहे. अन्य 102 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित बंद हुए. सेंसेक्स की 30 में से 19 कंपनियों के शेयर नुकसान में रहे. बजाज फाइनेंस का शेयर 3.33 प्रतिशत नीचे बंद हुआ. इटनल का शेयर 2.71 फीसदी, टैट 2.32 फीसदी और एक्सिस बैंक का 2.11 फीसदी टूट गया.

एनटीपीसी में 1.9 प्रतिशत, मारुति सुजुकी में 1.94, इंडिगो में 1.3, कोटक महिंद्रा बैंक में 1.38, बीईएल में 1.29 और बजाज फिनसर्व में 1.05 प्रतिशत की गिरावट रही. टाटा स्टील, टाइटन, भारतीय स्टेट बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, अडानी पोर्ट्स, एलएंडटी और हिंदुस्तान यूनाइलिवर के शेयर भी नुकसान में रहे. आईटी सेक्टर में लिवाली से एचसीएल टेक्नोलॉजीज का शेयर 3.40 प्रतिशत, इंफोसिस का 3.31 प्रतिशत, टेक महिंद्रा का 3.21 प्रतिशत और टीसीएस का 2.88 प्रतिशत ऊपर रहा. अल्ट्राटेक सीमेंट में 1.80 प्रतिशत और भारती एयरटेल में 1.05 प्रतिशत की तेजी रही. पावरग्रिड और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी हरे निशान में रहे. वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई 0.85 प्रतिशत की बढ़त में रहा.

# वियतनाम की एंट्री से भारत के सामने बड़ी निर्यात की चुनौती



ईएफटीए से व्यापार समझौते के बाद प्रतिस्पर्धा तेज

नवभारत न्यूज नेटवर्क भोपाल, 21 अक्टूबर. यूरोप के बाजारों में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहे भारत के सामने अब वियतनाम के रूप में नई प्रतिस्पर्धी चुनौती खड़ी हो गई है.

वियतनाम ने 18 अक्टूबर को चार देशों के यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के साथ मुक्त

व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं. भारत का इस समूह के साथ व्यापार समझौता अक्टूबर 2025 से लागू है. ऐसे में भारतीय निर्यातकों के लिए बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ने की आशंका जताई जा रही है. हालांकि, विशेषज्ञों की राय इस मुद्दे पर बंटी हुई है.

ईएफटीए में स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिक्टेन्स्टाइन शामिल हैं. भारत ने इस समूह के साथ 10 मार्च 2024 को व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौते (टेपा) पर हस्ताक्षर किए थे. इसके तहत ईएफटीए ने अपनी 2.2 प्रतिशत टैरिफ श्रेणियों में रियायत दी है, जो भारत के 9.6 प्रतिशत निर्यात को कवर करती हैं.

# सॉफ्टवेयर अपडेट से सुधार पर जोर

- ग्राहकों के सुझावों से स्मार्ट 'फोन बेहतर बना रही एआई+
- शिकायतों का 3-4 दिन में समाधान करने का लक्ष्य

नवभारत कनेक्ट रायपुर, , 21 अक्टूबर कैमरा, कनेक्टिविटी और परफॉर्मेंस से जुड़ी समस्याओं को दूर करने के लिए कंपनी ग्राहकों के फीडबैक के आधार पर सॉफ्टवेयर अपडेट और टैरिस्टिंग में बदलाव कर रही है.

प्रोजेक्ट ओपन रिव्यू के तहत 1,000 से ज्यादा लोगों ने फोन की

लॉन्च से पहले जांच के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है.एआई+ स्मार्टफोन ग्राहकों के अनुभवों और सुझावों के आधार पर अपने फोन और सेवाओं में लगातार सुधार कर रही है. कंपनी के अनुसार, नोवा 2 अल्ट्रा 5जी में कैमरे की स्थिरता बेहतर करने के लिए सॉफ्टवेयर अपडेट दिए गए हैं. वहीं, कनेक्टिविटी और परफॉर्मेंस से जुड़ी समस्याओं की पहचान कर उन्हें दूर करने पर भी काम किया जा रहा है. ग्राहकों की प्रतिक्रिया को नए फोन की टैरिस्टिंग और प्रोडक्ट डेवलपमेंट में शामिल किया जा रहा है.

कंपनी ने प्रोजेक्ट ओपन रिव्यू

के तहत फोन की स्वतंत्र जांच कराने की पहल की है. इसमें रिव्यूअर्स, कंटेन्ट क्रिएटर्स, पत्रकार, टेक्नोलॉजी में रुचि रखने वाले लोगों और एथिकल हैकर्स को फोन बाजार में आने से पहले जांचने का अवसर दिया जाता है. कंपनी के मुताबिक, इस पहल के लिए अब तक 1,000 से ज्यादा लोगों ने पंजीकरण कराया है. इसका उद्देश्य लॉन्च से पहले कमियों की पहचान कर जरूरी सुधार करना है. कंपनी कस्टमर सपोर्ट और टेक्निकल टीमों के बीच तालमेल बढ़ाने के साथ सोशल मीडिया पर मिलने वाली शिकायतों पर भी कार्रवाई कर रही है.



कंपनी के सौर ऊर्जा संकर इन्वर्टर में 4जी डेटा लॉगर और पांच साल का डेटा पैक दिया जाएगा. इससे तकनीशियन दूर से ही इन्वर्टर की स्थिति देख सकेंगे और जरूरत पड़ने पर उसकी सेटिंग बदल सकेंगे. कंपनी इन उत्पादों की बिक्री अपने वितरक नेटवर्क, खुदरा दुकानों और ऑनलाइन माध्यमों से करेगी. कंट आरओ के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महेश गुप्ता के अनुसार, कंपनी का लक्ष्य पानी और हवा के बाद घरों की तीसरी महत्वपूर्ण जरूरत बिजली के क्षेत्र में भी भरोसेमंद समाधान उपलब्ध कराना है. घरेलू स्तरों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने और ऊर्जा भंडारण की बढ़ती मांग को देखते हुए कंपनी इस कारोबार का विस्तार कर रही है.

भंडारण के लिए 5.1, 11.8 और 16 किलोवाट-घंटे क्षमता वाली

प्राप्त ऊर्जा को जमा कर जरूरत के समय इस्तेमाल किया जा सकेगा. कंपनी के अनुसार, इन बैटरियों को 6,000 से अधिक बार चार्ज करने के लिए तैयार किया गया है. इनके साथ 10 साल की वारंटी दी जाएगी. सौर ऊर्जा संकर इन्वर्टर 3 से 15 किलोवाट क्षमता तक उपलब्ध होंगे.घरेलू इन्वर्टर और निर्बाध विद्युत आपूर्ति प्रणाली के लिए 12 और 24 वोल्ट की लिथियम बैटरियां भी पेश की गई हैं. इनकी शुरुआती कीमत 22,000 रुपये है. कंपनी का अनुमान है कि पारंपरिक लेड-एसिड बैटरियों की तुलना में इनसे 10 वर्षों में 30,000 रुपये से एक लाख रुपये तक की बचत हो सकती है. मोबाइल अनुप्रयोग के जरिए बैटरी की स्थिति और बिजली की खपत पर नजर रखी जा सकेगी.

# अदाणी ग्रीन का मुनाफा 15 फीसदी बढ़ा

673 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ 6.63 गीगावाट बैटरी भंडारण क्षमता

नवभारत न्यूज नेटवर्क नई दिल्ली, 21 अक्टूबर . अदाणी समूह की कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में दमदार नतीजे दर्ज किए हैं.

कंपनी का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 15.43 प्रतिशत बढ़कर 673 करोड़ रुपये हो गया, जो



पिछले साल इसी तिमाही में 583 करोड़ रुपये था. वहीं, परिचालन से होने वाला राजस्व 39.11 प्रतिशत बढ़कर 4,520 करोड़ रुपये पर पहुंच गया.

बिजली आपूर्ति से होने वाली आय में अच्छी बढ़ोतरी ने नतीजों को मजबूती दी. इस मद से राजस्व पिछले साल की दूसरी तिमाही के 2,776 करोड़ रुपये के मुकाबले 45 प्रतिशत बढ़कर 4,019 करोड़

रुपये रहा. बिजली आपूर्ति से परिचालन लाभ यानी ईबीआईटीडीए 51 प्रतिशत बढ़कर 3,835 करोड़ रुपये हो गया. इस दौरान ईबीआईटीडीए मार्जिन भी 90.5 प्रतिशत से बढ़कर 92 प्रतिशत पर पहुंच गया. वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में बिजली आपूर्ति से राजस्व 36 प्रतिशत बढ़कर 8,299 करोड़ रुपये रहा, जबकि ईबीआईटीडीए 41 प्रतिशत बढ़कर 7,957 करोड़ रुपये हो गया. सितंबर तिमाही में कंपनी का नकद लाभ 45 प्रतिशत बढ़कर 1,951 करोड़ रुपये दर्ज किया गया.

**बैटरी भंडारण में भी बढ़ाई क्षमता** अदाणी ग्रीन एनर्जी ने गुजरात के खवड़ा में अपने चालू बैटरी ऊर्जा भंडारण तंत्र (बीईएसएस) की क्षमता बढ़ाकर 6.63 गीगावाट-घंटे कर दी है. कंपनी का दावा है कि इस उपलब्धि के साथ वह भारत की सबसे बड़ी चालू बैटरी ऊर्जा भंडारण संचालक बन गई है. कंपनी के अनुसार, उसकी चालू नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं का कुल पोर्टफोलियो सालाना आधार पर 24 प्रतिशत बढ़कर 20.8 गीगावाट हो गया है. ऊर्जा बिक्री में भी 32 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष खन्ना ने कहा कि सौर, पवन और हाइड्रिड परियोजनाओं के बेहतर प्रदर्शन से कंपनी की परिचालन क्षमता और ऊर्जा बिक्री को मजबूती मिली है.

## समाचार विशेष

# मोदी को चुनौती देने राहुल को बदलनी होगी राजनीति

सिर्फ विरोध से नहीं बनेगी बात, नीति सुधारों पर ठोस विकल्प पेश करने होंगे

नवभारत न्यूज नेटवर्क नई दिल्ली, 21 अक्टूबर. राहुल गांधी इस समय राजनीतिक विरोधियों और समर्थकों के बीच सबसे चर्चित चेहरा बने हुए हैं. उनके भविष्य को लेकर होने वाली चर्चाओं में दो दिलचस्प रुझान प्रमुख हैं और दोनों एक-दूसरे के विरोधाभासी हैं.

एक ओर यह उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके समर्थकों के बीच ही राहुल गांधी की भविष्य की संभावनाओं को लेकर असहमति हैं. दूसरी ओर राहुल गांधी और उनके समर्थक इस विषय पर पूरी तरह एकमत हैं. भारतीय जनता पार्टी के समर्थक राहुल गांधी को खारिज करते हैं. उनके लिए राहुल 'पप्पू' हैं यानी उपहास का पात्र. अक्सर भाजपा के वरिष्ठ नेता भी यह शेखी बघारते



हैं कि राहुल गांधी उनके लिए कोई खतरा नहीं, बल्कि उनकी सबसे बड़ी ताकत हैं. हालांकि प्रधानमंत्री मोदी का नजरिया हमेशा इसके उलट रहा है. उनकी नजर में राहुल गांधी और गांधी परिवार ही एकमात्र संभावित चुनौती हैं. यही वजह है कि प्रधानमंत्री मोदी के चुनाव प्रचार का केंद्र बार-बार राहुल गांधी बन जाते हैं. यहां तक कि किसी ऐसे राज्य के चुनाव में भी जहां कांग्रेस की कोई खास भूमिका नहीं है, मोदी उन्हें निशाना बनाते हैं. इसी सप्ताह उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के 'कौटिल्य' कहे जाने वाले अमित शाह को भी राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलने के लिए मैदान में उतारा. भले ही भाजपा का समर्थक वर्ग इन हमलों को हसी में उड़ा दे लेकिन पार्टी के वरिष्ठ नेता जानते हैं कि असली चुनौती कौन है.

मोदी और शाह ने इस चुनौती को कभी हल्के में नहीं लिया. वे यह नहीं मानते कि विपक्ष में राहुल गांधी भाजपा के लिए सबसे बड़ी ताकत हैं. वे जानते हैं कि हर पांच में से एक मतदाता का समर्थन हासिल करने वाली कांग्रेस ही उनकी एकमात्र चुनौती है. और कांग्रेस गांधी परिवार के बिना एकजूट नहीं रह सकती. अहम सवाल यह है कि इन परिस्थितियों में राहुल गांधी की राजनीति किस दिशा में जाएगी? फिलहाल उनका पूरा ध्यान मोदी के खिलाफ सड़कों पर जनोदोलन खड़ा करने पर है. वे किसी के भी साथ साझेदारी करने को तैयार हैं. राहुल को अब तक यह समझ जाना चाहिए था कि भारत में राजनीतिक बदलाव या तो किसी दल के खुद चुनाव जीतने से आता है या फिर दूसरों के साथ मिलकर मौजूदा सत्ता को हराने से होता है.

# मायावती का आकाश के प्रति फिर बदला रुख

फिर भतीजे पर लुटा रही खूब प्यार, राजनीति में तेजी से आगे बढ़ा रही

नवभारत न्यूज नेटवर्क लखनऊ, 21 अक्टूबर. आकाश आनंद जल्दी ही यूपी के तमाम जिलों सहित उत्तराखंड और पंजाब के चुनावी मैदान में अपना दम दिखाने जा रहे हैं. बसपा सुप्रीमों ने आकाश आनंद के लिए एक लंबा चौड़ा राजनीतिक प्लान बनाया है.

महीनों तक आकाश आनंद से नाराज रहने वाली उनकी बुआ और बसपा सुप्रीमों मायावती अब भतीजे आकाश आनंद पर खूब प्यार लुटा रही हैं और उन्हें राजनीति में तेजी से आगे बढ़ा रही



हैं. बहनजी ने अपने एक्स पोस्ट में आकाश आनंद की तारीफ करते हुए कहा है कि वह बी.एस.पी. के राष्ट्रीय संयोजक के रूप में काफी सज़बूझ व मैच्युरिटी प्रदर्शित करते हुये काम कर रहे हैं और अपनी ज़म्मेदारी को निभाने में काफी मेहनत व तेज़ी से लग गये

## चुनाव बीकानेर के बज्जू खालसा पंचायत चुनाव में अनोखा मुकाबला

# जेठानी- देवरानी की लड़ाई हुई रोचक !

नवभारत न्यूज नेटवर्क

बीकानेर, 21 अक्टूबर. एक ही घर, एक ही आंगन और आपस में वही पुराना जेठानी-देवरानी का रिश्ता, लेकिन चुनावी मैदान में कदम रखते ही रास्ते पूरी तरह जुदा हो गए हैं. बीकानेर जिले की बज्जू खालसा पंचायत समिति के वार्ड संख्या एक में इस बार का स्थानीय चुनाव बेहद दिलचस्प और रोमांचक मोड़ पर आ पहुंचा है.

यहां का मुकाबला महज दो दिग्गज राजनीतिक दलों भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के बीच ही नहीं है, बल्कि एक ही परिवार की दो बहुओं को आपसी सियासी साख की लड़ाई बन चुका है. भाजपा ने जहां परिवार की बड़ी बहु यानी जेठानी नख्खू देवी चंदेल को अपना अधिकृत उम्मीदवार बनाकर मैदान में उतारा है, वहीं



कांग्रेस ने छोटी बहु यानी देवरानी रामप्यारी चंदेल पर दांव खेलेते हुए मुकाबला बेहद रोचक बना दिया है. वार्ड संख्या एक में बरसलपुर, भुरासर और गोकुल के राजस्व गांव शामिल हैं. इस क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी नख्खू देवी के पति दीपाराम चंदेल हैं, जबकि कांग्रेस की तरफ से ताल ठोंक रही रामप्यारी के पति उनके छोटे भाई राजाराम चंदेल हैं. दोनों के ससुर रामूराम चंदेल हैं. एक ही छत के नीचे रहने वाले सगे भाइयों की पत्नियों के अलग-अलग राजनीतिक खेमों से प्रत्याशी

## प्रधान पद के आरक्षण ने बदले समीकरण

इस बार बज्जू खालसा पंचायत समिति के प्रधान पद पर अनुसूचित जाति वर्ग का आरक्षण लागू होने से क्षेत्र का पूरा सियासी गणित बदल गया. प्रधान पद की दौड़ और दावेदारी को देखते हुए दोनों प्रमुख दलों में अंदरूनी खींचतान बढ़ गई थी. उपयुक्त और मजबूत उम्मीदवारों की तलाश में मशक़्त कर रहे भाजपा और कांग्रेस, दोनों ही दलों को वाईएफ से एक ही परिवार में जनाधार वाला चेहरा नजर आया. नतीजा यह हुआ कि दोनों पार्टियों की टिकट एक ही परिवार की दो बहुओं की झोली में जा गिरी. चुनावी समर शुरू होते ही अब दोनों बहुओं के सामने अपने-अपने दलों के फैंडर वोट और आम मतदाताओं को सामने की कड़ी चुनौती है.

बनने के बाद पूरे पंचायत क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म है.

# भविष्य की रणनीति तय करने रांची पहुंचेंगे नवीन मिशन 2029 की तैयारी में जुटी भाजपा

नवभारत न्यूज नेटवर्क राँची, 21 अक्टूबर. झारखंड में संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावों की तैयारियों को गति देने में जुटी भारतीय जनता पार्टी अब मिशन 2029 की रणनीति को जमीन पर उतारने की तैयारी कर रही है.

इसी सिलसिले में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 24 अक्टूबर को दो दिवसीय दौरे पर रांची पहुंचेंगे. 24 और 25 अक्टूबर को प्रस्तावित इस दौरे के दौरान वे प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों, सांसदों, विधायकों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर संगठन की स्थिति और भविष्य की रणनीति पर चर्चा करेंगे. राष्ट्रीय अध्यक्ष के दौरे को आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है. बैठक में संगठन की मजबूती, बुथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता और केंद्र सरकार की योजनाओं को



जान-जन तक पहुंचाने जैसे मुद्दों पर मंथन होगा. साथ ही, मिशन 2029 के तहत पार्टी की भावी कार्ययोजना और आने वाले दिनों में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तय की जाएगी. इस दौरे में गिरिडीह उपचुनाव भी भाजपा के एजेंडे में प्रमुखता से रहेगा. पार्टी इस सीट पर जीत हासिल करने के लिए संभावित प्रत्याशी और चुनावी रणनीति पर विचार-विमर्श करेगी. भाजपा नेताओं का मानना है कि कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय और जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाकर चुनाव में मजबूत चुनौती पेश की जा सकती है.

## गिरिडीह उपचुनाव जीतना पार्टी की प्राथमिकता

राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन की तैयारियों को लेकर प्रदेश प्रभारी गजेंद्र सिंह पटेल और संगठन महामंत्री ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की है. वहीं, प्रदेश प्रभारी आदिवासी बहुल क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं. इस दौरान लोगों को केंद्र सरकार की विकास और आदिवासी कल्याण से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है. भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी योगेंद्र प्रसाद ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के दौरे को लेकर कार्यकर्ता उत्साहित हैं. उन्होंने कहा कि गिरिडीह उपचुनाव में जीत हासिल करना पार्टी की प्राथमिकता है. भाजपा इस सीट पर दोबारा कब्ज़ा जमाने के लिए पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरेगी.